जिले में 1276 नाबालिग माताएँ

प्रतिनिधि, 14 नवंबर

अमरावती -विदर्भ की सांस्कृतिक राजधानी अमरावती जिले में बड़े पैमाने पर नाबालिग माताओं की जानकारी सरकारी स्तर पर प्राप्त होने से खलबली मची है. जिले में इस वर्ष 1276 अल्पवयीन माताओं के नाम दर्ज हुए है. वे सब 13 से 17 वर्ष आयु की पाई गई है. जिले में बड़े पैमाने पर बालविवाह होने की बात सिद्ध हुई है.

सर्वाधिक नाबालिग माता चिखलदरा तहसील में पाई गई है. यहां अब तक इस वर्ष 274 अल्वयीन माता का रिकार्ड मिला है. धारणी तहसील में 243 व मजे की बात यह है कि अमरावती तहसील में 215 अल्पवयीन माता मिली है. स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत कार्यरत आशा व परिचारिकाओं के माध्यमसे अल्पवयीन माता की जानकारी संकलित की गई. सभी माता 18 वर्ष आयु के नीचे रहने से जिले के स्वास्थ्य के लिए यह खतरे की घंटी मानी जा रही है. लगभग सभी तहसील में यह प्रमाण मिला-जूला है. जिप स्वास्थ्य सभापति मनोहर सुने ने रिपोर्ट के आधार पर स्वास्थ्य विभाग को पत्र दिया है. इस तरह अल्पवयीन माताओं की नोंद ग्रापं के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लेने की सूचना दी. मेलघाट में लड़कियों के विवाह बाली उम्र में होने से बालमृत्यु का प्रमाण बढ़ा है. लड़कियों का शारीरिक विकास 18 वर्ष के बाद होता है. फिर भी प्रमुखता से खेलने वाली लड़कियों पर मातृत्व लादा जाता है. यह बात जिले के लिए गंभीर रहने से स्वास्थ्य सभापति ने पूरे मामले की समीक्षा करने की सलाह दी है.

अल्पवयीन माताओं का ब्यौरा

अल्पवयीन माताओं की संख्या में अचलपुर 53,अमरावती 215, अंजनगांव सुर्जी 37 भातकुली 45, चांदूर रेल्वे 43, चांदूर बाजार 83, चिखलदरा 274, दर्यापूर 69, धामणगांव रेल्वे 55, धारणी 243, मोर्शी 32, नांदगांव खंडेश्वर 56, तिवसा 14, वरूड़ में 14 बालमाता पाई गई है.

बाबा सैलानी दरगाह में मोहर्रम मनाया

हजरत इमाम हसन हुसैन, शहीदाने करबला की याद

शरबत एवं खिचड़ी बांटी

प्रतिनिधि, 14 नवम्बर

अमरावती- दस्तूरनगर, छत्री तलाव रोड स्थित बाबा सैलानी की दरगाहर मुबारक शरीफ में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मोहर्रम शरीफ के इस मौके पर एवं शहिदाने करबला में शहीद हुए हजरत ईमाम, हसन, हुसैन एवं (मक्का मदीना के) करबला की जंग की मैदान में, दीन, धर्म एवंम समूची दुनिया के हिफाजत के खातिर शहीद हुए करबला के तमाम शहीदों को याद किया गया. इस मौके पर जिस तरह मासूम ईमाम हसन, एवम हुसेन व करबला के जंग के मैदान में (दिन को) कायम रखने के उद्देश्य से दुश्मनों से लढते-लढते भूखे प्यासे इमाम हसन हुसेन शहीद हो गये एवं तमाम शहीदों की याद में हजारों गरीब बेसहारा व जरूरतमंद नागरिकों को शरबरत एवं खिचड़ी और अन्य वस्तुएं बांटकर मोहर्रम शरीफ मनाया गया ताकि करबला में शहीद हुए हजरत हसन हुसैन एवं सेकड़ो शहीदों को सुकून मिल पाए जिस तक करबला में जंग के मैदान में हजरत इमाम हसन व हुसैन प्यासे एवं भुखे दुश्मनों से तमाम दुनिया के खातिर हक पर लडते-लडते शहीद हो गए उस तरह इस समय उनकी (उम्मत) दुनिया प्यासी एवं भूखी ना रहे इस तरह के निस्वार्थ सेवाभावी व धार्मिक उपक्रम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चलाने का कार्य बाबा सैलानी दरगाह के बतौर खादिम एवं ट्रस्टी व जिप अध्यक्ष सुरेखाताई ठाकरे के स्विय सहायक विनायक ठाकरे दिन दुखियों व गरीबों की सेवा की भावना से करते चले आ रहे है. इस तरह सेवाभावी धार्मिक उपक्रम गरीब, बेसहारा, जरूरतमंद नागरिकों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से विनायक ठाकरे अनेक वर्षो से निस्वार्थ अपने सहकारियों के साथ सेवा करते चले आ रहे है. जिससे विनायक ठाकरे के साथ इस बाबा सैलानी दरगाह ट्रस्टी में विनायक ठाकरे, युसूफ भाई (ढोलताशेवाले), शेरखान भाई, भुरेखान, राजू पांडे, धिरज राठोड का सहयोग सराहनीय रहता है.

अमरावती : दस्तुर नगर स्थित दरगाह व खिचड़ा वितरीत करती महिला व आयोजक विनायक ठाकरे.

आबा ने दी थी भेंट

इस बाबा सैलानी की मुबारक दरगाह शरीफ दरगाह शरीफ को अब तक अनेक गणमान्यवरों ने भेंट दी है, जिसमें प्रमुखता से महाराष्ट्र के गृहमंत्री आर.आर.उर्फ आबा पाटिल, राष्ट्रवादी के महासचिव संजय खोडके, जिप की अध्यक्षा सुरेखाताई ठाके, जिप तत्कालीन अध्यक्ष अनिरूद्ध देशमुख उर्फ बबलु देशमुख, गणेश राय, अमरावती जनविकास संगठना के संस्थापक अध्यक्ष, विदर्भ प्रदेश पत्रकार संघ के सचिव तथा पत्रकार रहेमत खान उर्फ रम्मु म.न.से के माजी जिलाध्यक्षतथा अमरावती जनविकास संगठना के जिलाध्यक्ष प्रवीण अमृतकर व जिप के अनेक पदाधिकारी , अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रत्यक्ष भेंट देकर बाबा के दर्शन किए है और इसी तरह जिला भर से इस दरगाह में दर्शनार्थ हेतु सेकड़ों सैलानियों का आना-जाना लगा रहता है.

विच न कोई कर सके....

प्रभातफेरी से शहर हुआ भक्तिमय

शबदकीर्तन के स्वर चहके

प्रतिनिधि, 14 नवंबर

अमरावती-'विच न कोई कर सके, किसथे रोवह रोज कीता किछ न होवई, लिखिया धूर संजोग' जैसे शबद कीर्तन करते हुए गुरुनानकदेवजी के प्रकाश उत्सव निमित्य स्थानीय बूटी प्लॉट स्थित गुरुद्वारा गुरुसिंघ सभा से गुरूवार तडके 5.30 बजे प्रभात फेरी निकाली गई. शबद कीर्तन से समूचा शहर भक्तिमय हो उठा था.

प्रकाश उत्सव निमित्य 10 नवंबर से गुरुद्वारा गुरुसिंग सभा की ओर से अलग-अलग क्षेत्रों से प्रभात फेरी निकाली जा रही है. इस क्रम में गुरूवार को निकाली गयी प्रभात फेरी गुरुद्वारा गुरुसिंघ सभा से शंकरनगर, गोविंद नगर क्षेत्र से घूमकर वापस गुरुद्वारा गुरुसिंघ सभा बूटी प्लॉट में पहुंची. गुरुनानकदेवजी के जयकारे लगाते हुए बडी संख्या में महिला-पुरूष उपस्थित थे. गुरुद्वारा गुरुसिंघ सभा अध्यक्ष शरणपालसिंघ अरोरा, बिल्लू बग्गा, जगदीश छाबडा, रजीन्दरसिंघ सलूजा, रवींद्रसिंघ सलूजा, बलबीरसिंघ मोंगा, प्रल्हाद साहनी, रिंकू होरा, बिल्लू साहनी, दिनेश छाबडा, राजेश छाबडा, बलराज छाबडा, रिंकू बग्गा, सोनू बग्गा, गुरुविंदरसिंघ बेदी, बक्षी उपवेजा, तजेंदरसिंघ उपवेजा, महेंद्रसिंघ मोंगा, मंटू मोंगा, राजू मोंगा, बलवंतसिंघ जुनेजा, जगतराम सावलानी, पप्पू साहाणी, फन्टू सलूजा, अमरज्योतसिंह जग्गी, बबलू जग्गी, गुरविन्द्र सिंग मोंगा, पप्पी ओबेराय, नरेन्द्रसिंह ओबेराय, सीटू सलूजा, गुरुचरणसिंघ बग्गा, पप्पू राजपूत, पप्पी नंदा, अनीताकौर उपवेजा, मिनी अरोरा, लाडी सलूजा, स्विटीकौर सलूजा, सुरजीतकौर सलूजा, रस्मी बेदी आदि सहभागी हुए थे.

अमरावती : प्रभात फेरी में शबदकीर्तन करते गुरुद्वारा गुरुसिंग सभा के सदस्य व नागरिक.

मेलघाट में बहारों का मौसम

संवाददाता, 14 नवंबर

धारणी- महीने भर चली बारिश के बाद अब समूचे मेलघाट पर धीरे-धीरे गुलाबी ठंड का खुशगवार माहौल छाता जा रहा है. रात के तापमान में भले ही तेज गिरावट आयी हो, पर दिन में ठंडी हवाएं खूब आनंददायी लग रही हैं. इस बार बरसात के पूरे 120 दिनों तक बारिश होने से सभी नदियां लबालब बह रही हैं. अब जाड़े की शुरूआत हो गई है. घरों की अलमारियों में बंद गर्म कपड़े, स्वेटर, मफलर, कनटोप, जर्कीन, रजाइयां निकाली जा रही हैं.बाजारों में भी वैसलीन, पोमेट, बोरोलीन, क्रीम की मांग बढ़ गई है. दोपहर को चलती हवाओं के साथ आरंभ हुआ जाड़ा रात के गहराने के साथ जोर पकड़ता जाता है. अतिवृष्टि के कारण सोयाबीन, धान, ज्वार की फसल हाथ से निकल जाने से निराश आदिवासी किसान गुलाबी ठंड और कुओं में बढ़े जलस्तर से थोड़ा खुश हैं. गेहूं और चने की बुआई हो गई है.

उत्साह से मनाया गया बाल दिवस

प्रतिनिधि, 14 नवम्बर

अमरावती -शैक्षणिक संस्था पोदार इंटरनैशनल स्कूल अमरावती में उत्साह, उर्जा, उमंग एवं हर्ष के बाल दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया.

इस अवसर पर छात्रों तथा शिक्षकों ने देश के विकास में विद्यार्थियों की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये. शिक्षकों के समुह ने सन 1980 के काल से लेकर 2013 तक के काल में हुए बाल व्यवहार परिवर्तन को तथा पीढी दर पीढी होनेवाले विकास के पहाडे को लघुनाटिका के माध्यम से प्रस्तुत किया जिसे सभी ने बहुत सराहा. शिक्षकों ने विभिन्न समय सत्र के बालगीत हिन्दी, अंग्रेजी तथा मराठी में प्रस्तुत किये जिन्हें सुनकर विद्यार्थी प्रफुल्लीत हुए. समस्त शिक्षक वर्ग ने विभिन्न वेशभुषाओं में विद्यार्थियों का अभिवादन किया. इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए स्वल्पाहार का भी आयोजन किया गया. एवं डान्स मस्ती कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न बालगीतों पर नृत्य किये.

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रेरणामयी स्टीकर प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया गया. अन्त में कक्षा में विद्यार्थियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से विभिन्न बाल वृत्तचित्र दिखाये गये तथा विशेष रुप से फिल्म के दौरान उन्हें पॉपकॉर्न भी वितरित किये गये. प्राचार्य सुधीर महाजन ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती शिल्पा कथाने, श्रीमती जया पुंडकर, मनीषा संगर, नंदकिशोर खडसे, प्रशांत धर्माधिकारी, मुक्ता घुंडियाल, कु. स्वाती तंतरपाले, रोशनी लोणकर, भुषण पथे, शीतल देशमुख, रावसाहब गुडधे, आशिष शिरसाट एवं समस्त पोदार स्टाफ का सहयोग रहा.

विविध भाषा के गीतों ने मन मोहा

अमरावती : बाल दिवस पर नृत्य प्रस्तुत करतीं बालक व शिक्षिकाएँ.

ओसवाल महिला संघ का दिवाली मिलन शानदार

मेधावियों का सम्मान

प्रतिनिधि, 14 नवम्बर

अमरावती - श्री ओसवाल महिला संघ का दीपावली मिलन एवं सरस्वति सम्मान कार्यक्रम का आयोजन विचक्षण हाल दादावाडी बडनेरा रोड़ में संपन्न हुआ. इस अवसर पर महिला संघ द्वारा 10 वीं एवं 12 वीं में 85 प्रतिशत से ज्यादा नंबर लाने वाले बच्चों को सम्मानित किया. जैन समाज के इन बच्चों का सम्मान श्रीमान राजकुमार कोचर के द्वारा किया गया. दीपावली मिलन में रंगोली एवं दीप सजाकर मंडल की सदस्याओं ने एक दूसरों को दिपावली एवं नये वर्ष की शुभकामनाएं दी. इस मिलन समारोह में सर्व प्रथम अध्यक्ष सौ. अनिता चौरडिया ने शब्दों से सभी का स्वागत किया. तत्पश्चात प्रोजेक्ट डायरेक्टर सौ. रानी गांधी एवं ममता कर्नावट ने विविध गेम्स् एवं हौजी खिलाकर सबका मनोरंजन किया. इस अवसर पर सौ. कोकिला बाढियां, रानी बुच्चा तारा कंठालिया, कंचन बोथरा, रत्ना निबजिया, मीना मुथा, शकुनजैन चंदा भन्साली, रजनी भन्साली, आशादेवी मोहता, लता बोथरा, कामिनी लुनावत, शिल्पा बुच्चा, शान्ता बुच्चा, मंगला सामरा, उषा सामरा, मन्जु गुगलिया, जन्दा गांधी किरण वैद, छाया कोचर, कल्पना कोठारी, चंद्रकला समदरिया, माधुरी तातेड, शोभा कोचर, सुषमा मुणोत, शोभा पारख, चन्दा गोलेछा, सरला गोलेछा, मन्जु तरलेचा, सोनल चोपडा, लीला बोथरा, लता बाफना, लता बुच्चा, उषा भंडारी, मंजु भंडारी, नेहा सोजतिया, प्रिती सामरा, शुभांगी लढ्ढा, लीला साबडा, संजय आंचलिया, ममता मेहता, रुपा भन्साली, शैला निबजिया, शान्ता लुनावत आदि ने दिपावली मिलन को यादगार बनाया.

अमरावती : दिवाली मिलन मंचासीन अतिथि व ओसवाल संघ की महिलाएँ.

बात पते की...

बिना कोमल हृदय
के सुन्दर चेहरे का
कोई मतलब नहीं है